

राष्ट्रीय नवीन मेल

डालतनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित



www.rastriyaneenmail.com • डालतनगंज • भाद्रपद शुक्ल पक्ष 15 • विक्रम संवत् 2080 • शुक्रवार, 29 सितम्बर 2023 • वर्ष-29 • अंक-342 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

गागर में सागर

मुख्यमंत्री कार्यालय के माली की पुरी के समुद्र में डूबने से मौत

रांची। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक कर्मचारी की पुरी के समुद्र में डूबने से मौत हो गयी। मृतक की पहचान विशाल उरांव के रूप में हुई है। वह मुख्यमंत्री कार्यालय में माली का काम करता था। वह मूल रूप से सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के चुनाभट्टा का रहने वाला था। जनकारी के अनुसार विशाल 25 वर्षीय टीएम के साथ ओडिशा के पुरी बीच पर घूमने गये थे। स्वयंसेवक के दो दोस्त पानी में डूबने लगे। उनको बचाने के चक्कर में विशाल नेर पानी में डूब गया। हालांकि, उनके दोस्तों को जान बच गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।



एटीएस ने अंतर्राज्यीय अफीम तस्करी गिरोह के तीन आरोपियों को दबोचा



रांची। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने खुदी-मुरुर रोड में छापेमारी कर अंतर्राज्यीय अफीम तस्करी गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें खुदी के मारुदण्डा थाना निवासी राम कुमार गुंडा, चतरन के पथरगुवा थाना निवासी विरेंद्र दंगी और रांची के जमानापुर निवासी राजकुमार साह शामिल हैं। इनके पास से पांच किलो आठ ग्राम अफीम, 32 हजार 500 रुपये, तीन मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद हुई हैं। आईजी अशोक साह पुलिस प्रकाश एसी हेमकर ने गृहकार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि खुदी थाना क्षेत्र में अंतर्राज्यीय बाइक ड्रव्य तस्करी के जटिल अफेय मादक ड्रव्य अफीम का खरीद-विक्री किया जाता है। सूचना के बाद एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुदी-मुरुर रोड स्थित एमएस इंडियन अक्विल पेट्रोल पंप के पास से तीन तस्करी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करी का पुर्ण का आरपीएफ सहित रहा है। बिरेन्द्र दंगी पूर्व में मादक ड्रव्य की तस्करी के लिए ग्वालावर के जेल में 10 वर्ष का सजावाती भंग में कर रहे हैं। गिरफ्तार आरोपित अफीम की तस्करी झारखंड राज्य से पश्चिमी प्रदेश एवं पंजाब राज्य में भी करते हैं। इन आरोपितों का अंतर्राज्यीय तस्करी गिरोह में भी संलग्न होने की बात प्रकाश में आ रही है। इस रैकेट में कई अंतर्राज्यीय विविध लेन-देन भी प्रकाश में आ रहे हैं। मामले में पृष्ठगत जारी है।

रिस्क की कार्यशाला में युवता प्रतिस्थापन की लाइव सर्जरी

रांची। गैर-इंटीग्रेटेड ऑफ मेडिकल साइंस (रिस्क), रांची ऑथोपेडिक विभाग का कार्यालय में गृहकार को युवता प्रतिस्थापन के लिए भर्ती ऑर्थोपेडिक आर्थोपेडिस के मॉडल की लाइव सर्जरी की। कार्यशाला का उद्घाटन रिस्क के निदेशक और सैंटीओ प्रोफेसर (डॉ.) राजीव कुमार गुप्ता, डॉन प्रो. (डॉ.) विद्यापति, आकादमिक, प्रो. (डॉ.) हिरेन्द्र विरसा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लैला और रिस्क के उप चिकित्सा अधीक्षक त्रिपाठी ने की। हज़ी गुण विभाग के प्रमुख डॉ. गोविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि एसी ऑर्थोपेडिक प्रक्रियाएं रिस्क में अनवरत होती हैं। हालांकि, सोचना एक सतत प्रक्रिया है और ऑथोपेडिक सर्जिकल क्षेत्र में नए विकसित हो रहे रूढ़ानों के साथ अपडेट रहना आवश्यक है। कार्यशाला में प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दीपाकर सेन ने गंभीर दर्द और कार्यालय सीमाओं वाले ऑर्थोपेडिक आर्थोपेडिस रोगियों के लिए पूर्ण जवाबदेही के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सेन ने एसी प्रक्रियाओं की लाइव डेमो करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि देश की बीमार आबादी को एक ही जगह इस्का लाया जा सके। निदान, देना, अस्पताल में जरी और ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया के सभी खर्च प्रचालनीय हैं और आर्थोपेडिक प्रक्रिया के सभी खर्च स्वस्थ बीमा योजना के तहत कवर किए गए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 125 डॉक्टर, जूनियर और वरिष्ठ निवासियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

पाकुड़ में इंग्लिश स्कूल के हॉस्टल के भोजन में मिली मरी छिपकली, 128 बच्चे बीमार

पाकुड़। जिले के पाकुड़िया में विद्यालय भोजन खाने से 128 बच्चे बीमार हो गये। बीमार बच्चों को पाकुड़िया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट में भर्ती कराया गया है। घटना पाकुड़िया के सिंघे-कादू मुर्मु मेमोरियल इंग्लिश स्कूल की है। स्कूल के हॉस्टल में जबकि 86 बच्चों को भोजन के रामपुरहाट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पाकर जिले के सिविल सर्जन डॉ. मंडू कुमार उदारीवाल ने मुख्यालय डीएमपी वैजनाथ प्रसाद भी मुखावल पहुंचे।



स्कूल मैनेजमेंट ने 42 बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में जबकि 86 बच्चों को भोजन के रामपुरहाट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पाकर जिले के सिविल सर्जन डॉ. मंडू कुमार उदारीवाल ने मुख्यालय डीएमपी वैजनाथ प्रसाद भी मुखावल पहुंचे।

इस घातक घटना पर प्रतिक्रिया पदाधिकारी एनके झा ने गृहकार को बताया कि इलाज रत सभी बच्चों को स्थिति बेहतर है। खतरे की कोई बात नहीं है। अधिकारी बच्चों को उल्टी की शिकायत थी। उन्हें जरूरी इलाज दी गयी है।

कई बच्चों ने खाना नहीं खाया था और वे भी दूसरे बच्चों को उल्टी करता देख उल्टी करने लगे थे। मेडिकल टीम मैनेजमेंट की गयी थी। स्कूल मैनेजमेंट को भोजन पकाने में सहायता करने तथा उसे परामर्श से पहले जांच करने के लिए कहा है। सभी बच्चे जल्द ही ठीक हो जायेंगे।

पलामू में चलती ट्रेन से नदी में गिरा युवक

आरपीएफ ने नदी के बीच धारा में फंसे युवक का किया रेस्क्यू

नवीन मेल संवाददाता मेदिनीनगर। रस्सी के सहारे रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने नदी के बीच धारा में फंसे एक युवक का रेस्क्यू किया है। रस्सी के सहारे आरपीएफ के जवानों ने 80 फीट ऊंचाई तक युवक को खींचा है और उसकी जान बचाई है।



पुरा मामला पलामू के गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन के पास कोशल नदी पर बने रेलवे पुल का है। दरअसल बोकारो के बड़काबाब के बड़की के रहने वाले मनोज कुमाराली ट्रेन के जमरल योगी में बैठकर दिल्ली जा रहे थे। मनोज छिड़कनी के पास केटे हुए थे और अचानक नींद में

आँचकारियों को दी। जिसके बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और रस्सी ऑपरेशन शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आरपीएफ की टीम ने एक रस्सी के सहारे युवक को करीब 80 फीट ऊपर तक खींचा और उसकी जान बचाई। युवक के शरीर पर

कई गंभीर चोट नहीं लगी थी। आरपीएफ ने पूरे मामले की जानकारी देना था की भी दी। फिनाइल युवक को विशाखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टर ने बताया कि उसकी हालत खतरे से बाहर है।

सरना धर्म कोड पर गर्मायी राजनीति

सीएम ने पीएम को चिट्ठी जल्द फैसला लेने को कहा, चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में इंडिया गठबंधन

नवीन मेल संवाददाता रांची। सुबे में फिर एक बार सरना धर्म कोड को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर इस मामले पर जल्द फैसला लेने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री के चिट्ठी लिखने के बाद अब कांग्रेस ने भी आदिवासी समुदाय के लिए जनगणना में सरना धर्म के लिए अलग कोड की मांग का समर्थन करते हुए भाजपा पर हमला बोला है। उधर, अलग सरना धर्म कोड को लेकर अभी भारतीय जनता पार्टी के नेता दुबिका में दिख रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अशोक कुमार सिंघा सरना धर्म कोड पर अपना के स्टैंड को लेकर पृष्ठ स्वल्प पर इतना ही करते हैं कि पार्टी अभी इस पर अध्ययन कर रही है। भाजपा के नेता करते हैं कि शराब के मामले में फंसे हेमंत सोरेन जान बूझकर ऐसे मुद्दे को हवा दे रहे हैं। सोरवाल है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुसूचित जनजातियों के लिए अलग सरना धर्म कोड निर्धारित करने की मांग की है। इससे पहले 11 नवंबर 2021 को झारखंड विधानसभा का



विशेष सत्र बुलाया था। जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अलग सरना धर्म कोड की मांग का प्रस्ताव विधानसभा से पास कराया था। जिससे राजभवन भेजा जा चुका है। अलग सरना धर्म कोड के लिए तर्क : अलग सरना धर्म कोड को जनजातीय समाज के लोगों की पहचान से जोड़ते हुए यह कह दिया जाता है कि 'सरना धर्म' हिंदू समाज धर्म से भी प्राचीन धर्म होने के बावजूद आज इसकी अपनी पहचान नहीं है। इसका हवाला देकर जनजातीय समुदाय द्वारा अलग-अलग सरना धर्म प्रस्ताव धर्म कोड की मांग की जाती रही है। प्राचीनता धार्मिक पद्धति होने का हवाला देकर आदिवासी समुदाय के कई संघर्षों और बुद्धिजीवियों को कानून है कि 'सरना धर्म' को अलग सरना धर्म है, जो प्रकृति की पुजा करते हैं। इसके उपाकरण वर्तमान में श्राद्ध, उत्सव, आदि, नाच ईद के राज्य, विचार, पं। बंगाल और महाराष्ट्र में हैं। बहसबाब, 26 सितंबर को मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को अलग सरना धर्म की मांग को लेकर जो पत्र लिखा है, उसमें उन्होंने बिंदुवार इसकी बहस बतवाई है। उन्होंने जनजातीय समुदाय में अलग सरना धर्म कोड का प्रस्ताव को ही अलग सरना धर्म मानने का संकेत दिया है।

देते हुए देश और राज्य में सरना धर्म में आस्था रखने वालों की संख्या का जिक्र किया है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि आदिवासियों के लिए सबसे बड़ा शत्रु जंगल, पहाड़, जमीन और प्रकृति हैं। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय की घटती जनसंख्या का हवाला देते हुए भी अलग धार्मिक पहचान की जरूरत बताई है। अलग सरना धर्म कोड की मांग को लेकर कांग्रेस ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। मुख्यमंत्री के पीएम को पत्र लिखने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर सीधा हमला बोला है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि महागठबंधन के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण का केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद अनुसूचित जाटा अलग सरना धर्म कोड के लिए कुछ नहीं करना, सरना धर्म का अमान्य जैसा है।

भेजा। लेकिन या तो बूलवाया या फिर जान बूझकर राजभवन में उसे सीधे तक से विधानसभा को नहीं लौटाया। राजेश ठाकुर ने कहा कि सब जानते हैं कि अब राजभवन में पीएम से यह गडबड हो रही है। कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि अनुसूचित जाटा बताए कि वह सरना धर्म को मानते हैं या नहीं? अनुसूचित जाटा सचिवों ने तो यह इच्छा लिए काम करें। राजभवन से बात कर दें। अलग सरना धर्म कोड का मार्ग प्रशस्त करें। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण का केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद अनुसूचित जाटा अलग सरना धर्म कोड के लिए कुछ नहीं करना, सरना धर्म का अमान्य जैसा है।

हरित क्रांति के जनक स्वामीनाथन का निधन



उन्होंने साल 1966 में मैसूरको के बीजों को पंजाब की धरतु किमों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गूँद के संकर बीज विकसित किए। एमएस स्वामीनाथन ने विकसित की थी अधिक उपज देने वाली गूँद और चावल की धान्य : एमएस स्वामीनाथन ने विश्व की अधिक उपज देने वाली किमों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि भारत के कम और बाढ़ वाले किसान अधिक उपज पैदा करें। इससे भारत को खाद्यान्न सुरक्षा मिली थी। इसे ही हरित क्रांति कहा जाता है। इसके अलावा उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री सी सुब्रमण्यम और जनजीवन राम के साथ काम किया था। इससे पूरे भारत में अनुभूतिक वैसाकि से।

उन्होंने साल 1966 में मैसूरको के बीजों को पंजाब की धरतु किमों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गूँद के संकर बीज विकसित किए। एमएस स्वामीनाथन ने विकसित की थी अधिक उपज देने वाली गूँद और चावल की धान्य : एमएस स्वामीनाथन ने विश्व की अधिक उपज देने वाली किमों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि भारत के कम और बाढ़ वाले किसान अधिक उपज पैदा करें। इससे भारत को खाद्यान्न सुरक्षा मिली थी। इसे ही हरित क्रांति कहा जाता है। इसके अलावा उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री सी सुब्रमण्यम और जनजीवन राम के साथ काम किया था। इससे पूरे भारत में अनुभूतिक वैसाकि से।

चाईबासा में आईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन का जवान शहीद



पश्चिमी सिंहभूम। चाईबासा में नक्सलियों ने एक बार फिर सुरक्षा बलों को उकसाने का प्रयास किया है। नक्सलियों ने तीन आईडी विस्फोट किया है। इसकी तीनों में अने से कोबरा 209 बटालियन के स्पेशल फोर्स प्रमुख और राजेश कुमार सिंह का भी जवान जमीनी हो गए। पुलिस की ओर से यह जानकारी दी गई है। हालांकि स्थानीय सूत्रों के मुताबिक विस्फोट की चोट में अने से चालर राजेश कुमार शहीद हो गये हैं। यह छत्तीसगढ़ के गैरिले के रहने वाले थे। यह घटना टोंटी थाना क्षेत्र के सरजोमवक और तुम्बाहाका गाँव के पास के जंगल में हुई है। पुलिस के मुताबिक गुप्त सूचना मिली थी कि

मुख्यमंत्री ने आईडी विस्फोट में जवान के बलिदान पर जताया दुःख रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि चाईबासा के टोंटी क्षेत्र में सच अमान्य के दौरान घायल होने वाले कोबरा बटालियन के जवान राजेश कुमार के बलिदान होने का दुःखद समाचार मिला हुआमा दिवंगत जवान की आत्मा को शांति प्रदान कर शोककुल परिवारजनों को दुःख की वह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दें। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के अति उच्चदा प्रभावित टोंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत तुम्बाहाका एवं सरजोमवक गाँव के पास स्थित जंगल पहाड़ी में गृहकार दोपहर आईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के एक जवान राजेश कुमार का बलिदान हो गया जबकि एक जवान भूपेन्द्र कुमार गंभीर रूप से घायल है।

बाघका माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेरार, रंश उर्फ अरुण, अरुण महतो, अनमोल गौड़, चान कर्ण, सांनि अमरिया और अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोराला में विध्वंसक गतिविधियों के लिए मूल कर रहा है। इस दुःखद पर चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, 203 बटालियन, झारखंड जमुआर और सीआरपीएफ 60 बटालियन, 197 बटालियन 157 बटालियन, 174, 134, 193, 07 और 26 बटालियन का जवाबदारी अतिरिक्त थाना बनाकर अभियान चलाया जा रहा था। इसी बीच सरजोमवक में विध्वंसक गतिविधियों के जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को 11 घंटे पृष्ठ 11 पर

विधायक कमलेश पर चलेगा दलबल का क्रांति, 12 को पहली सुनवाई

नवीन मेल संवाददाता रांची। झारखंड विधानसभा के स्पीकर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक कमलेश सिंह के खिलाफ दलबल की शिकायत पर सजा लेने लिए उन्हें नॉटिस भेजा है। कमलेश सिंह शिकायतकर्ता को भी भेज दी गई है। स्पीकर टिप्पण्युन ने दोनों पक्षों को पहली सुनवाई में उपस्थित होकर मौखिक रूप में अपनी राय देने का अधिकार के माध्यम से जवाब देने को कहा है। स्पीकर को भेजे शिकायत में महाराष्ट्र के एनसीपी (राज्य) के विधायक विवेक ने कहा था कि कमलेश सिंह काई लान्ड से अलग दल कर काम कर रहे हैं। यह घटती के नीति-निर्देशन के विपरीत काम सूचना कमलेश सिंह के अलावा



शिकायतकर्ता को भी भेज दी गई है। स्पीकर टिप्पण्युन ने दोनों पक्षों को पहली सुनवाई में उपस्थित होकर मौखिक रूप में अपनी राय देने का अधिकार के माध्यम से जवाब देने को कहा है। स्पीकर को भेजे शिकायत में महाराष्ट्र के एनसीपी (राज्य) के विधायक विवेक ने कहा था कि कमलेश सिंह काई लान्ड से अलग दल कर काम कर रहे हैं। यह घटती के नीति-निर्देशन के विपरीत काम सूचना कमलेश सिंह के अलावा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पर प्रकृति ने अतीव क्रूर बरसात की है। यहां के पंचे जंगल, पहाड़ और झरने पटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वहाँ रांची से करीब 65 किलोमीटर दूर एल्लो इंडियन समुदाय के लिए बसाया गया मैंगलुस्कीगंज खूबसूरत बालियों और सुनदरे मौसम की वजह से पूरे देश में विख्यात है। इसको मिनी इंग्लैंड भी कहा जाता है। अब इसी मैंगलुस्कीगंज ने पटन के मानव पर झारखंड का नाम रोशन किया है। विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर दिल्ली के प्रति मैट्रन में आर्गनिक फार्मक के दौरान मेकलुस्कीगंज को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों में से एक चुना गया है। झारखंड के पर्यटन विभाग के संयुक्त सचिव महेन्द्रु खान ने इस परस्कार को सिराव किया।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पर प्रकृति ने अतीव क्रूर बरसात की है। यहां के पंचे जंगल, पहाड़ और झरने पटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वहाँ रांची से करीब 65 किलोमीटर दूर एल्लो इंडियन समुदाय के लिए बसाया गया मैंगलुस्कीगंज खूबसूरत बालियों और सुनदरे मौसम की वजह से पूरे देश में विख्यात है। इसको मिनी इंग्लैंड भी कहा जाता है। अब इसी मैंगलुस्कीगंज ने पटन के मानव पर झारखंड का नाम रोशन किया है। विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर दिल्ली के प्रति मैट्रन में आर्गनिक फार्मक के दौरान मेकलुस्कीगंज को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों में से एक चुना गया है। झारखंड के पर्यटन विभाग के संयुक्त सचिव महेन्द्रु खान ने इस परस्कार को सिराव किया।

अधिगृहित कर लिया। उस दौर में एल्लो इंडियन समुदाय के लोगों ने स्थल पर अने सुंदर जंगल बनाये थे। यहां मी में भी सैदी का परस्कार होता है। यह इलाका प्राकृतिक खूबसूरती से परा पड़ा है। 1935 में अर्नेस्ट टिमोथी मैंगलुस्की के निवास के तहत इस इलाके को मेकलुस्कीगंज नाम मिला। लेकिन समय के साथ संध्यानों की कमी को वजह से एल्लो इंडियन परिवार लोगों से गिरफ्त होने चले गये। जवादार लाने में अपने नौकरों को अपने बच्चे दे दिए। वहीं कुछ की जमीन

विश्व पर्यटन दिवस : सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल के रूप में मिला सरना

हड़प ली गई। अब यहां के जर्जर हो चुके चले एल्लो इंडियन की याद दिलाते हैं। हालांकि अभी भी यूरोप समेत विस्व के कई जगहों से लोग यहां घूमने आते हैं। वहाँ कई मेरे हाउस बने हुए हैं। मेकलुस्कीगंज में अनेसर फिक्व को शूटिंग भी होती रहती है। इसी समय सच यह है कि वहाँ अने पर अब मासुकी हो हाथ लगती है। इसके बावजूद इलाका आकर्षण बरकरार है। एल्लो इंडियन परिवार से जुड़े कुछ लोग अभी भी एल्लो इंडियन परिवार के लोग हैं। इसका इलाका अभी भी हालत बेहद खराब है। खास बात है कि उन परिवार में आज भी अतिजी भाग का ही चलन है। विश्व पर्यटन दिवस पर प्रति मैट्रन में टैगल पर लाइव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की पहली सुनवाई अखंड, संस्कृति और विकास मंत्री जी। किशन रेड्डी ने 11 घंटे पृष्ठ 11 पर

गागर में सागर

बारवाडीह में मनाई गई अन्त चतुर्दशी
बारवाडीह में मनाई गई अन्त चतुर्दशी
बारवाडीह में मनाई गई अन्त चतुर्दशी



महुआडांड में मनाई गई अन्त चतुर्दशी
महुआडांड में मनाई गई अन्त चतुर्दशी
महुआडांड में मनाई गई अन्त चतुर्दशी

पूजा समिति के अध्यक्ष चुने गए रंजीत चंदा
पूजा समिति के अध्यक्ष चुने गए रंजीत चंदा
पूजा समिति के अध्यक्ष चुने गए रंजीत चंदा

शहीद भगत सिंह की जयंती मनाई गई

बारवाडीह। प्रखंड के शहीद भगत सिंह चौक पर
बारवाडीह। प्रखंड के शहीद भगत सिंह चौक पर
बारवाडीह। प्रखंड के शहीद भगत सिंह चौक पर

सड़क की परम्परा का कार्य हुआ शुरू
सड़क की परम्परा का कार्य हुआ शुरू
सड़क की परम्परा का कार्य हुआ शुरू

मासियातु में फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज
मासियातु में फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज
मासियातु में फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

सीसीएल के कांटा बाबू की हादसे में मौत
सीसीएल के कांटा बाबू की हादसे में मौत
सीसीएल के कांटा बाबू की हादसे में मौत

सड़क निर्माण के विरुद्ध की गई बैठक
सड़क निर्माण के विरुद्ध की गई बैठक
सड़क निर्माण के विरुद्ध की गई बैठक

पहल
खासकर नेतरहाट में पर्यटन स्थलों पर सरकार की ओर से सुविधाएं

पर्यटन के क्षेत्र में शुमार हो रहा है लातेहार का भी नाम
पर्यटन के क्षेत्र में शुमार हो रहा है लातेहार का भी नाम
पर्यटन के क्षेत्र में शुमार हो रहा है लातेहार का भी नाम

अजय सिन्हा। लातेहार
अजय सिन्हा। लातेहार
अजय सिन्हा। लातेहार



कानन ग्लेत नहीं होगा कि लातेहार
कानन ग्लेत नहीं होगा कि लातेहार
कानन ग्लेत नहीं होगा कि लातेहार

पर सुविधाएं बहाल की जा रही हैं।
पर सुविधाएं बहाल की जा रही हैं।
पर सुविधाएं बहाल की जा रही हैं।

मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर सभी प्रखंडों में आयोजित किए गए कार्यक्रम
लातेहार में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर धूमधाम से निकाले गए जुलूस

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
नवीन मेल संवाददाता। लातेहार



ईद-ए-मिलाद-उन-नबी

हर्षोल्लास से निकाले ईद
हर्षोल्लास से निकाले ईद
हर्षोल्लास से निकाले ईद

धूमधाम के साथ मनाया
धूमधाम के साथ मनाया
धूमधाम के साथ मनाया

मोहम्मद साहब के योमे
मोहम्मद साहब के योमे
मोहम्मद साहब के योमे

खोजा जंगल में मिला मानव कंकाल, क्षेत्र में सनसनी

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहड
नवीन मेल संवाददाता। मयूरहड
नवीन मेल संवाददाता। मयूरहड



अवशेष देखने से मानव कंकाल
अवशेष देखने से मानव कंकाल
अवशेष देखने से मानव कंकाल

दुधमुह बच्चे को जलाने जा रहे मां-बेटे गिरफ्तार

पथलगाड़ा(चतरा)। जिले के पथलगाड़ा थाना क्षेत्र
पथलगाड़ा(चतरा)। जिले के पथलगाड़ा थाना क्षेत्र
पथलगाड़ा(चतरा)। जिले के पथलगाड़ा थाना क्षेत्र

चतरा जिले में जश्न-ईद-ए-मिलाद-उन-नबी अदब-व-अहतराम के साथ मना



नवीन मेल संवाददाता। चतरा/टंडवा/
नवीन मेल संवाददाता। चतरा/टंडवा/
नवीन मेल संवाददाता। चतरा/टंडवा/

जिले टंडवा,
जिले टंडवा,
जिले टंडवा,

मोहम्मद साहब के योमे
मोहम्मद साहब के योमे
मोहम्मद साहब के योमे

गिद्धौर के 13वें थानेदार के रूप में गुलाम सरवर ने दिया योगदान

नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर
नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर
नवीन मेल संवाददाता। गिद्धौर

प्रतिभाषी इंटर स्टेट लुडो प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ खाना

बारवाडीह। प्रखंड के रेलवे क्लब
बारवाडीह। प्रखंड के रेलवे क्लब
बारवाडीह। प्रखंड के रेलवे क्लब

राकेश अग्रवाल दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने

नवीन मेल संवाददाता। बारवाडीह
नवीन मेल संवाददाता। बारवाडीह
नवीन मेल संवाददाता। बारवाडीह

मांग व सरकार

झारखंड समेत देश के विभिन्न राज्यों में लंबे समय से जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग से सरना धर्म कोड की मांग की जा रही है। सोमप हेमंत सोरेन इस मामले में गंभीरता से लेने के मूड में दिखाई पड़ रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इससे पहले झारखंड विधानसभा से भी सरना धर्म कोड को लेकर एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित हो चुका है। अभी सरना धर्म कोड को लेकर एक बार फिर से सियाचत तेज हो गई है। हेमंत सोरेन का कहना है कि आदिवासी समाज के लोग प्रामाणिक परंपराओं और प्रकृति के उपासक हैं। पेड़ों, पहाड़ों की पूजा और जंगलों को संरक्षण देने की ही अपना धर्म मानते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं। झारखंड भी आदिवासी बहुल राज्य है, जहां उनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है। राज्य को एक वड़ी आवाजी सरना धर्म को मानने वाली है। इस प्राचीन सरना धर्म का जीता-जागता ग्रंथ स्वयं जल, जलज, जमीन और प्रकृति है। सरना धर्म को संस्कृति, पूजा, प्रदति, आस्था और मान्यताएं प्रदति, आस्था धर्मों से अलग है। अपनी पहचान को बचाये रखने के लिए सरना धर्म कोड जरूरी है।

सोमप हेमंत सोरेन इस मामले को गंभीरता से लेने के मूड में दिखाई पड़ रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इससे पहले झारखंड विधानसभा से भी सरना धर्म कोड को लेकर एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित हो चुका है। अभी सरना धर्म कोड को लेकर एक बार फिर से सियाचत तेज हो गई है।



वहहाला झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश का आदिवासी समुदाय पिछले कई वर्षों से अपने धार्मिक अस्तित्व को रक्षा के लिए जनगणना में प्रकृति पूजन आदिवासी-सरना धर्मवादीत्व को शामिल करने की मांग को लेकर संघर्षरत है। प्रकृति पर आधारित आदिवासियों के परंपरिक धार्मिक अस्तित्व के रक्षा की चिन्तन शिष्टि तौर पर एक गंभीर सवाल है। आज सरना धर्म कोड की मांग इसलिए उठ रही है ताकि प्रकृति का उपासक यह आदिवासी अपनी पहचान के प्रति आश्वस्त हो सकें। कई आदिवासी समूह विद्वत्ता होने के कारण पर हैं। आदिवासी समुदाय में भी कई ऐसे समूह हैं, जो विद्वत्ता के कारण पर हैं। सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर इन्हें संरक्षण नहीं दिया गया, तो इनकी भाषा, संस्कृति के साथ-साथ इनका अस्तित्व भी समाप्त हो जायेगा। वहीं आदिवासियों की संख्या में भी लगातार कमी आ रही है। झारखंड में आदिवासियों की जनसंख्या आठ दशकों में 38 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत हो गई है। ऐसे में एक आदिवासी मुख्यमंत्री के तौर हेमंत सोरेन को यह मामला जान्य है। आज पूरा विश्व बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण की रक्षा को लेकर चिन्तित है। ऐसे समय में किस धर्म की आस्था ही प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा है, उसको मान्यता मिलने से भारत ही नहीं पूरे विश्व प्रकृति प्रेम का संदेश फैलाना। ऐसे में यह मांग समर्थ की जरूरत है। इसके लिए सबको आगे आने की जरूरत है।

पूर्वजों को याद कर उन्हें नमन करने का पर्व है श्राद्ध

प्रतिवर्ष भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष प्रारंभ हो जाता है, जो अश्विन अमावस्या तक अर्थात् 16 दिनों तक चलता है। इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 29 सितंबर से हो रही है और श्राद्ध पक्ष का समापन 14 अक्टूबर को होगा। श्राद्ध पक्ष की अवधि में पूर्वजों के निमित्त पिंडदान, तृण और श्राद्ध कर्म किये जाते हैं। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है, जिससे पूर्वज प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि पितरों के प्रदान होने से वंशजों का भी कल्याण होता है। जो लोग पूरे श्राद्धपक्ष में अपने पूर्वजों का तर्पण, पिंडदान न कर पायें वह सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त श्राद्ध कर सकते हैं। इस दिन विहार के गवाजी में पिंडदान करने का सबसे ज्यादा महत्व है। इस साल अश्विन माह की सर्वपितृ अमावस्या और आश्विनी सूर्योदय भी लग रहा है। सर्वपितृ अमावस्या पर पूर्व श्राद्ध रात 08.34 मिनट से अमले दिन प्रातः 02.25 मिनट तक रहेगा। यह वलयाकार पूर्व श्राद्ध होगा, जो भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी नहीं रहेगा।

सर्वपितृ श्राद्ध का महत्व सर्वपितृ अमावस्या को महात्वा अमावस्या और पितृ विसर्जनी अमावस्या भी कहते हैं। पितृ पक्ष के अनुसर पितृ अपने परिवजनों के पास पितृ पक्ष श्राद्ध के समर्थ आते हैं और अन्न जल एवं आर के अक्षय करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल नहीं करते, श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं, उनके पितरों इससे परिवार के लोगों को पितृ दुःख लगता है। इसे पितृ शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट



डॉ. गोपाल नारयण

जो लोग पूरे श्राद्धपक्ष में अपने पूर्वजों का तर्पण, पिंडदान न कर पायें वह सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त श्राद्ध कर सकते हैं। इस दिन विहार के गवाजी में पिंडदान करने का सबसे ज्यादा महत्व है।



श्राद्ध
वृद्ध जाता है।
कैसे कर श्राद्ध?
पितृ पक्ष में जिन तिथियों में पूर्वज यानी पिता, दादा, परिवार के लोगों की मृत्यु हुई होती है उस तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध को नियम है कि दिन के समय पितरों के नाम से श्राद्ध और अन्न करवाना चाहिए। देवताओं की पूजा सुबह में और पितरों को दोपहर में होती है। तृण पितृ - सर्वधन्य अपने पास शुद्ध जल, बेंड़न का आसन (कुशा का हो), बड़ी थाली या ताग (तांबे की पेंट), कच्चा दूध, गुलाब के फूल, फूल-माला, कुशा, सुपारी, जौ, काली तिल, जलक अंतिम पक्ष में रखे।

भारत की अमृत यात्रा: महिला नेतृत्व वाली यात्रा

और महाभारत में सोता माता, द्रौपदी और कुंती जैसी हृदय प्रिय प्रभावशाली महिलाओं को दर्शाया गया है, जिन्होंने इन महाकाव्यों की गथाओं और घटनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं के प्रतिस्मान पारिवारिक परिवेश में उनको भूमिकाओं तक भी फंसा हुआ है। वह 'सर्वधर्मचारी' हैं, जिसका अर्थ है कि वह गृहस्थ धर्म में एक समान पायीं रहें, जहां वे अपने पति के साथ, घर का नेतृत्व करती रहें, सभ्यता को धर्म के मांग पर ही जाती हैं। वह अनेकौ धर्म है कि समान धर्म में शक्ति को परंपरा के तहत विस्मृत की प्रति विशेष आस्था मिलती है, जिसे शक्ति या दिव्य मंत्रों के रूप में दर्शाया गया है। इन सांस्कृतिक मंत्रों को प्रतिव्यक्ति करते हुए एक संस्कृत उद्गम में महिलाओं की भूमिका को समाज के वास्तुकार के रूप में सुदृढ़ता से व्यक्त किया गया है। 'नारीमानव' कुशलवास्तुकार' उल्लेखनीय है कि भारतीय समाज में नारी का बहुत शक्ति और समान का स्थान रहा है। वह सौंदर्य परंपरा है, जो अलग-अलग धर्मों को जोड़ती आ रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, बार-बार होने वाले हठालों ने हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को नष्ट कर दिया है। नतीजतन, आधुनिक भारत में, राजनीतिक प्रतिव्यक्ति और पलक की कमी के कारण विचारकों में महिलाओं का प्रतिव्यक्ति स्वरूप स्पष्ट रूप से पिछड़ चुका है। 2014 के बाद से, मोदी ने भारत को लौकिक समानता के रूप में व्यक्त करवा दिया है। नतीजतन, आधुनिक भारत में, राजनीतिक प्रतिव्यक्ति और पलक की कमी के कारण विचारकों में महिलाओं का प्रतिव्यक्ति स्वरूप स्पष्ट रूप से पिछड़ चुका है।

आसानी प्रदान की है, बल्कि उन्हें सौंसा की बीमारियों से भी बचाया है। इसके अलावा स्वच्छ भारत योजना के तहत 12 करोड़ शौचालय बनाये गये, जिसमें महिलाओं को अपने घरों में शौचालयों तक सुविधा और समाननकर पहुंच प्रदान की, सुखा के बारे में चिंताओं को दूर किया और उनकी गौरवा को संरक्षित किया। इसी तरह जलजीवन मिशन के तहत 12 करोड़ कनेक्शनों द्वारा नल से जल उपलब्ध कराया गया। इन सभी उपर्यों ने महिलाओं को कठिन परिश्रम और दुष्कर समान और छुटकारा दिलाया है। तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि दशकों से अनेक सामाजिक परिवर्तन होने के लिए सदियों पुराने सामाजिक बंधनों को तोड़ दिया गया। चाहे वह महिलाओं की विवाह योग्यता को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करना हो, मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह करना हो, या तोतला को अनुचित प्रथा पर प्रतिबंध लगाना हो। इसी तरह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मिशन पर जोर-बेटी से चलाया गया। लड़कियों के विरुद्ध घृणित सामाजिक प्रथाओं के खिलाफ अभियान, और परिणामस्वरूप अल्पकालीन 5 द्वारा 1,020 महिलाओं (प्रति 1000 पुरुषों) को सकारात्मक लिंग अनुपात को जानकारी इसकी एक बानगी है।

प्रधान भारत में महिलाएं न केवल शिक्षित थीं बल्कि दार्शनिक चर्चाओं और धार्मिक समारोहों में भी सक्रिय रूप से भाग लेती थीं।

भारत ने गार्गी, लोपायुश और मेनेवी जैसी प्रसिद्ध दार्शनिकों और विदुषियों, वीरगणा, रानी पंचिनी, रुद्रमादेवी, रानी अहिल्याबाई होल्कर ऐसी कई महान महिलाओं का मान बढ़ाया है।

इन दिनों

आबादी यानी महिलाओं को अपनी क्षमता को पूरी तरह से प्रकट करने के समान अवसर मिलते हैं। 'खंड-खंड' में कल्याणकारी उपग्रहों वाले पिछले चरणों के विचारों,सकारण, 2014 के बाद, एक महिला के जीवनचक्र और जल्दतीं के कई चरणों में नौतिगत हस्तक्षेप द्वारा एक रणनीतिक जीवनचक्र दृष्टिकोण अपनाया। उनमें से सबसे बुनियादी बात यह सुनिश्चित करना है कि महिलाएं समान और सुख का जीवन जिएं। उच्चतम मान्यता के तहत 9.6 करोड़ युवाओं-युवा स्त्रीयों की रचना की गई, जिनमें न केवल लड़कें महिलाओं को जीवनयापन में



जी किशन राई

स्कूली शिक्षा, कठोर और रोगमग्न, परिवारिक और मातृ जीवन, राष्ट्र की सेवा और नेतृत्व को भूमिका निभाया। महिला आरक्षण विधेयक उन इरादों पर टो गई शक्ति को भूत है, एक संरक्षण है कि शक्ति प्राप्त उठी है और हमारे महान राष्ट्र को वागदोर सभलने के लिए तैयार है। महिला आरक्षण विधेयक एक आधुनिक समय के प्रतीक के रूप में उभरा है, जो इस सभ्यता में महिलाओं को दिव्य गीत प्राप्त समान और समानता को दर्शाता है। मोदी ने नेतृत्व में इस संशोधन विधेयक को कई अन्य पहलों के साथ, हम प्रतिव्यक्ति दिशा में सुधार कर रहे हैं, एक ऐसी यात्रा जो भारत के मूल गौरव को और हमारे कर्तव्यों को सही मार्ग पर ले जा रही है- एक ऐसी युधि जिसे महिलाओं की आज्ञा सुनी जाती थी, उनकी भूमिकाओं का मान किया जाता था और उनके योगदान को महत्व दिया जाता था। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर विवाह धारा पेश महिला आरक्षण विधेयक का लगभग सर्वसम्मति से पारित किया गया, एकमात्र विधेयक जो अल्पकों की उच्चतम मान्यता को अल्पकों को दूर करना एक तरह से सर्व विधेयक का आशीर्वाद ही है, जिन्होंने मान्यता नहीं होने के उन्ने बगैरे, उनका पोषण करने और उनकी रक्षा करने के लिए शत-शत प्रयास किया था।

आज, प्रधानमंत्री मोदी ने लौकिक समानता और गंभीरता को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया और 150 करोड़ भारतीयों की लोकप्रिय भावना 'मोदी है तो मुक्ति' है। मेरे मन में फिर से जीवित है। (लेखक, केंद्रीय उच्च-पूर्व क्षेत्र विकास, पर्वत और संस्कृति मंत्री हैं।)

बोधिवृक्ष

आइये सुनं धर्मशास्त्र व चित्रमयी वास्तविक कहानी

हालांकि शुरू में स्वामी जी को कठोर परमेश्वर के ज्ञान पर विश्वास नहीं हुआ। भगवान ने स्वामी जी से कहा कि आपको जो ज्ञान आपको काल के जाल से मुक्त नहीं कर सकता। स्वामी जी का मानना 2 था कि सुनं जाने का अर्थ है मोक्ष की प्राप्ति। भगवान कबीर जी ने रामानंद जी से उन मंत्रों का ज्ञान करने के लिए कहा जो वह निरप्रतिष्ठित करते थे और कहा कि देखते हैं कि आप अपने मंत्रों के ज्ञान से कहां जाते हैं? उदाहरण के लिए स्वामी जी हठवर्ष ध्यान के अभ्यास थे अतः हठवर्ष समर्थित होकर अपनी निरप्रतिष्ठित से विचित्र पर पहुंच गए। लेकिन वहीं फंस कर रह गए और आगे नहीं जा सके। सुभयदेव में इस सही में कहा गया है।
योग युक्त प्राणायाम कर जीता सकल शरीर त्रिवेणी के जल से जो अटक रहे बलविरत त्रिवेणी से आगे जाने के तीन मार्ग में है। 5 वर्षीय बालक रूप में भगवान कबीर साहब जी रामानंद जी के साथ त्रिवेणी पर मौजूद थे। उन्होंने स्वामी जी से कहा कि आप अपने मंत्र ज्ञान से इस्ते आगे नहीं जा सकते। जब आप मंत्रों तो नहीं राते से आगे। बंधा राखा धर्मश्रान, ब्रह्म, विद्या, विष्णु और स्वयं लोकों की ओर जाता है। दूना राखा अंतराही हजार श्रद्धियों को और जाता है। सामने वाला राखा बड़ लोक को जाता है जिसे ब्रह्मरंभ की कहते हैं। आठवीं साधना भगवान विष्णु की है, आप बाईं ओर से जाकर विष्णु लोक में चले जायेंगे। बाईं ओर से पहले आठवीं ब्रह्म काल के मुख्य न्यायवादी धर्मश्रान (यम) के पास जाना होगा जो वचन के लिए आपके कितने पुण्य हैं और कितने पाप हैं। (कर्मदा)

टूडो की कारस्तानी फिस्स, भारत का प्रतिकार कारगर

टूडो पर विवाद आसन है। पवन दिव्य रहा है। भारत से वारी संजोये अरथ अपना अल्पमन वाली सरकार बचाये? कनाडा के इस 23वें प्रधानमंत्री जस्टिन जेम्स पापरे टूडो के समक्ष तीसरा विकल्प नहीं है। संसद के 338 सदस्यों में उनकी लिबरल पार्टी के 158 सदस्य हैं। समर्थक सिखों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के 25 हैं। कनाडियन सिख खालिस्तान के हमदर्द हैं। तो यही है भारत-कनाडा झंझट का सार। सिखों की पार्टी की भूमिका वैसी ही है जो तिमिलनाडु की द्रविड़ पार्टी की थी। अप्रैल 1999 में जबतल्लता ने अपनी अना-द्रुमक पार्टी का समर्थन खींच लिया था। अदल विहारी वाजपेयी की सरकार अल्पमत में आ गई। टीक वकील दुर्दशा सरकार मनमोहन सिंह की संस्र सरकार के द्रुमक नेता एकेंद्र करणानिधि ने कर दी थी 19 मई 2013 को। तब श्रीलंका के तमिल विलिंथियो (लिट्टे के प्रभाकरन) के दोनों तमिल दल हमजोली रहे। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी उसी तमिल दलों की भूमिका में है। अगले वर्ष भारत को भाति कनाडा में भी संसदीय निर्वाचन होना है। तब श्रीलंका के तमिल वामियों (लिबरेशन टायगर है तमिल ईन्डियन लिट्टे) की चुनौती ही दिल्ली पर। टीक वकील से ही सिखों की ओटावा पर है। भारत बनाम कनाडा विवाद पर वैश्वीयन विवेक्षण आया है जो श्रीलंका के मुस्लिम विदेश मंत्री भीमोदाम्म अली सावरी साहब का है। खालिस्तानी टायगर फोर्स के अगुया आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत पर टूडो ने भारत सरकार को दोगी करार दिया है। इस पर श्रीलंकाई राजनेता ने करार जवाब दिया है। मोहम्मद अली सावरी ने कहा कि 'कनाडा ने

इससे पहले श्रीलंका के भीतर नरसंहार का एक वैश्वीयनिवादन अरथ लगाया था।' उरर सोवियत-कॉरिस नेता वसयान मेरो ने कहा कि 'कॉरिस का वैश्वीय ने कनाडा रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ विकल्प नहीं है। संसद के 338 सदस्यों में उनकी लिबरल पार्टी के 158 सदस्य हैं। समर्थक सिखों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के 25 हैं। कनाडियन सिख खालिस्तान के हमदर्द हैं। तो यही है भारत-कनाडा झंझट का सार। सिखों की पार्टी की भूमिका वैसी ही है जो तिमिलनाडु की द्रविड़ पार्टी की थी। अप्रैल 1999 में जबतल्लता ने अपनी अना-द्रुमक पार्टी का समर्थन खींच लिया था। अदल विहारी वाजपेयी की सरकार अल्पमत में आ गई। टीक वकील दुर्दशा सरकार मनमोहन सिंह की संस्र सरकार के द्रुमक नेता एकेंद्र करणानिधि ने कर दी थी 19 मई 2013 को। तब श्रीलंका के तमिल विलिंथियो (लिट्टे के प्रभाकरन) के दोनों तमिल दल हमजोली रहे। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी उसी तमिल दलों की भूमिका में है। अगले वर्ष भारत को भाति कनाडा में भी संसदीय निर्वाचन होना है। तब श्रीलंका के तमिल वामियों (लिबरेशन टायगर है तमिल ईन्डियन लिट्टे) की चुनौती ही दिल्ली पर। टीक वकील से ही सिखों की ओटावा पर है। भारत बनाम कनाडा विवाद पर वैश्वीयन विवेक्षण आया है जो श्रीलंका के मुस्लिम विदेश मंत्री भीमोदाम्म अली सावरी साहब का है। खालिस्तानी टायगर फोर्स के अगुया आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत पर टूडो ने भारत सरकार को दोगी करार दिया है। इस पर श्रीलंकाई राजनेता ने करार जवाब दिया है। मोहम्मद अली सावरी ने कहा कि 'कनाडा ने



के. विक्रम राव

संसद के 338 सदस्यों में उनकी लिबरल पार्टी के 158 सांसद हैं। समर्थक सिखों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के 25 हैं। कनाडियन सिख खालिस्तान के हमदर्द हैं। तो यही है भारत-कनाडा झंझट का सार।

टूडो

पर कनाडा के 338 सदस्यों में उनकी लिबरल पार्टी के 158 सांसद हैं। समर्थक सिखों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के 25 हैं। कनाडियन सिख खालिस्तान के हमदर्द हैं। तो यही है भारत-कनाडा झंझट का सार। सिखों की पार्टी की भूमिका वैसी ही है जो तिमिलनाडु की द्रविड़ पार्टी की थी। अप्रैल 1999 में जबतल्लता ने अपनी अना-द्रुमक पार्टी का समर्थन खींच लिया था। अदल विहारी वाजपेयी की सरकार अल्पमत में आ गई। टीक वकील दुर्दशा सरकार मनमोहन सिंह की संस्र सरकार के द्रुमक नेता एकेंद्र करणानिधि ने कर दी थी 19 मई 2013 को। तब श्रीलंका के तमिल विलिंथियो (लिट्टे के प्रभाकरन) के दोनों तमिल दल हमजोली रहे। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी उसी तमिल दलों की भूमिका में है। अगले वर्ष भारत को भाति कनाडा में भी संसदीय निर्वाचन होना है। तब श्रीलंका के तमिल वामियों (लिबरेशन टायगर है तमिल ईन्डियन लिट्टे) की चुनौती ही दिल्ली पर। टीक वकील से ही सिखों की ओटावा पर है। भारत बनाम कनाडा विवाद पर वैश्वीयन विवेक्षण आया है जो श्रीलंका के मुस्लिम विदेश मंत्री भीमोदाम्म अली सावरी साहब का है। खालिस्तानी टायगर फोर्स के अगुया आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत पर टूडो ने भारत सरकार को दोगी करार दिया है। इस पर श्रीलंकाई राजनेता ने करार जवाब दिया है। मोहम्मद अली सावरी ने कहा कि 'कनाडा ने



फेसबुक वॉल से

जब तक किसी काम को किया नहीं जाता, तब तक वह असंभव लगता है।

श्राद्ध पक्ष के दौरान भूलकर भी न करें यह गलतियां, पितर होते हैं नाराज

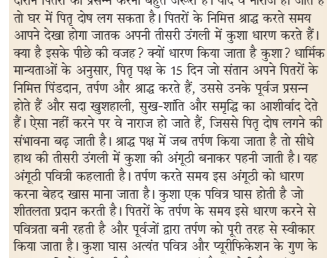
29 सितम्बर से पितृपक्ष शुरू हो रहा है जो 16 दिन अर्थात् 14 अक्टूबर, 2023 तक चलेगा। पितृपक्ष के 16 दिनों में श्राद्ध कर्म किए जाते हैं और पूर्वजों के निमित्त पिंडदान, तर्पण, दान, ब्राह्मण भोजन और पंचवर्षादि कर्म किया जाता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में पितृ गण देवताओं से पूज्य लोक पर आते हैं और अपनी संतानों को सुखी और संपन्न रहने का आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में पितृपक्ष के इन दिनों में पूरे

करना चाहिए। श्राद्ध का समय : श्राद्ध के लिए सबसे श्रेष्ठ समय दोपहर का कुतूप काल और रोहिणी काल होता है। कुतूप काल में किए गए दान का

इससे सेहत पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। भोजन पोषण के नियम : पितृपक्ष में ऐसी मान्यता है कि श्राद्ध कर्म के वक्त ब्राह्मण को भोजन करावते

पितरों के निमित्त श्राद्ध करते समय क्यों धारण की जाती है कुशा

पितरों की आत्मा की शान्ति के लिए पितृ पक्ष में पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष को शुरूआत 29 सितंबर 2023, दिन शुक्रवार से तो रही है। पितृ पक्ष का समापन 14 अक्टूबर, 2023, दिन शनिवार को हो रहा है। पितृ पक्ष में मृत पूर्वज अपनी संतान के आस-पास मौजूद रहते हैं, इस दौरान पितरों को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है। पितरों के निमित्त श्राद्ध करते समय अपने देखा हुआ जातक अपनी तीसरी उंगली में कुशा धारण करते हैं। क्या है इसके पीछे की वजह? क्यों धारण किया जाता है कुशा? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ पक्ष के 15 दिन जो संतान अपने पितरों के निमित्त पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध करते हैं, उससे उनके पूर्वज प्रसन्न होते हैं और सब खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। ऐसा नहीं करने पर वे नाराज हो जाते हैं, जिससे पितृ देव लगने की संभावना बढ़ जाती है। श्राद्ध पक्ष में जब तर्पण किया जाता है तो सीधे हाथ की तीसरी उंगली में कुशा की अंगुठी बनाकर पहनी जाती है। यह अंगुठी पवित्र कलाती है। तर्पण करते समय इस अंगुठी को धारण करना बेहद खास माना जाता है। कुशा एक पवित्र घास होती है जो शौचालय प्रदान करती है। पितरों के तर्पण के समय इसे धारण करने से पवित्रता बनी रहती है और पूर्वजों द्वारा तर्पण को पूरी तरह से स्वीकार किया जाता है। कुशा घास अर्थात् पवित्र और सूर्यप्रकिरण के गुण के साथ प्रकृति में पाई जाती है। यह घास जहां मौजूद होती है वहां का वातावरण शुद्ध और पवित्र हो जाता है, वह जितना जगह पर होती है वहां पर वैश्वीकरण स्वतः हो रहा होता है। इसके अलावा यह एक बहुत अच्छे डिसिंटेक्टिव के रूप में भी जानी जाती है।



नियमों के साथ श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। इन दिनों में आपको किसी भी प्रकार की गतिशील से बचना चाहिए ताकि पितर नाराज न हो। जो हाथ, पितृपक्ष के दौरान ऐसे कई काम बचाए गए हैं जिन्हें नहीं किया जाना चाहिए। श्राद्ध करने के नियम : पिता का श्राद्ध पूजे करता है। पुत्र के न होने पर, पत्नी को श्राद्ध करना चाहिए। पत्नी न होने पर, सभा भाई श्राद्ध कर सकता है। एक से ज्यादा पुत्र होने पर, बड़े पुत्र को श्राद्ध करना चाहिए। एक नियम से श्राद्ध न करने पर पितृ नाराज हो जाते हैं। कोई घरों में बड़ा पुत्र है फिर भी छोटा पुत्र श्राद्ध करता है। छोटा पुत्र यदि अलग रह रहा है तब भी यमी को एक जगह एकत्रित होकर श्राद्ध

समय भी श्राद्धकर्म नहीं किया जाता। श्राद्ध में इनको जरूर बचाना : श्राद्धों में श्राद्ध कर्म को लेकर जो नियम भी बचाए गए हैं कि जो लोग पूर्वजों के श्राद्ध में ब्राह्मणों के अलावा एक ही शहर में रहने वाली अपनी बहन, दामाद और भांजे को नहीं बुलाता, उसके द्वारा किए गए श्राद्ध का अन्न पितर प्रद्वान नहीं करते। श्राद्ध का अन्न : श्राद्ध में मिर्च वाला, मांसाहार, बीन, प्याज, लहसुन, चासी भोजन, सफेद तेल, मूली, लौकी, काला मक्क, सूरु, जौड़ा, मसूर को दाल, सरसो का साग, चना आदि बर्जित माना गया है। कोई यदि इनका उपयोग करता है तो पितर नाराज हो जाते हैं।

में बताया गया है कि पितृपक्ष में अपनी क्षमता के अनुसार चांदी के बर्तों प्रयोग जरूर करना चाहिए। अगर आपके पास सभी बर्तन न हों तो कम से कम चांदी के गिलास में पानी जरूर देना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में चांदी के बर्तन में पानी देने से पितरों को अधिक तृप्ति प्राप्त होती है। भोजन के बर्तन भी चांदी के हों तो और भी श्रेष्ठ माना जाता है। नारिकेलना और साधुओं का उपवास न करें : जो व्यक्ति नारिकेल है और धर्म एवं साधुओं का उपवास करता है, मजाक उड़ता है उनके पितृ नाराज हो जाते हैं। यदि आप नारिकेल है या श्राद्ध कर्म को नहीं मानते हैं तो अपने तक ही सीमित रहें, किसी

का अपमान न करें। दूसरे को भूमि पर न करें श्राद्ध : पितृपक्ष में अपने पूर्वजों का श्राद्ध स्वयं अपने ही घर में या फिर अपनी ही भूमि में करना चाहिए। दूसरे को भूमि पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए। धन, धन, तीर्थस्थान एवं मंदिर दूसरे को भूमि नहीं माने जाते क्योंकि इन पर श्राद्ध का स्थायित्व नहीं माना गया है। अन्न-इन स्थानों पर श्राद्ध किया जा सकता है। इन बातों का भी रईय करना : श्राद्ध के दौरान शराब पाना या मांसाहार भोजन करना वर्जित माना गया है। लहसुन-प्याज को तामसिक भोजन में

गिना जाता है। इसलिए पितृपक्ष के दौरान लहसुन-प्याज के सेवन से बचना चाहिए। झूठ बोलना और ब्रह्मण का धंधा करने से भी पितृ नाराज हो जाते हैं। यह कर्म भूलकर भी न करें। श्राद्ध में गुरु कलश, सिखों का अपमान करना, संतान को कष्ट देने से पितृ नाराज होकर चले जाते हैं। श्राद्ध के दौरान मार्गिक कर्म नहीं किए जाते हैं। जैसे विवाह, सादा, गृहप्रेषण, शुभ शुभारंभ आदि। मान्यताओं के अनुसार 16 श्राद्ध में धन और नखुन भी नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से हमारे पूर्वज हमसे रूठ हो सकते हैं।



शास्त्रों में है पूजा के भी कुछ नियम...

पूजन में शामिल है। दोषहर के समय नहीं करनी चाहिए पूजा : पूजा के नियमों में से एक यह भी है कि दोषहर के समय देवी देवताओं की पूजा नहीं करनी चाहिए। इस समय की गई पूजा स्विकार्य नहीं होती है। ज्योतिष के नियमों की मानें तो दोषहर 12 बजे से लेकर चार बजे तक देवी देवताओं के आराम का समय माना जाता है इसलिए इस समय की गई पूजा का पूर्ण फल मिलता है और उनके आराम में भी विघ्न पड़ता है, जिससे वे नाराज भी हो सकते हैं। सायंकाल की आरती के बाद नहीं करनी चाहिए पूजा : सायंकाल की आरती के बाद पूजा करना वर्जित माना गया है। रात्रि के समय सभी तरह के गार्भिक कर्म देवों द्वारा निषिद्ध माने गए हैं। हालांकि कुछ विशिष्ट दिन जैसे दिवाली, होली, कुशा चौथ आदि त्योहार पर पूजा कर सकते हैं लेकिन बाकी दिन सायंकाल की आरती के बाद पूजा नहीं करनी चाहिए। आरती के बाद देवी देवता विग्रह पूजे करते जाते हैं और उस समय पूजा करने से उनके विग्रह में विघ्न पड़ता है इसलिए इस समय पूजा नहीं करनी चाहिए। माघवारी के दौरान नहीं करनी चाहिए पूजा : धार्मिक

मान्यताओं के अनुसार महिलाओं को मार्सिक धर्म के दौरान पूजा नहीं करनी चाहिए। इस समय उभावय रह सकते हैं लेकिन मूर्ति का स्पर्श नहीं करना चाहिए। इस समय किसी को दान नहीं देना चाहिए। पुण्यों में बताया गया है कि इस समय शरीर की शुद्धि की प्रक्रिया चल रही होती है इसलिए महिलाओं को इस समय सांख्यिक कार्यों और देवी-देवताओं के आरंभ से बचना चाहिए। इस समय महिलाओं को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए और आराम करना चाहिए। मार्सिक धर्म के दौरान मार्सिक पूजा करना शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद बताया गया है। जन्म व मृत्यु के समय सूतक : हिन्दू धर्म की मान्यता है कि मृत्यु के समय सभी मृतकों को जन्म या मृत्यु होती है, ऐसे समय सूतक लगता है, तब समय देवी देवताओं की पूजा करना शास्त्रों में वर्जित बताया गया है। सूतक के समाप्त होने के बाद ही पूजा पाठ और भगवान का पूजन करना चाहिए। सूतक के समाप्त होने की खबर सुनने के कुछ दिनों बाद होत है, उस सभी धर्म में सूतक लग जाता है इसलिए इस समय पूजा अर्चना सही नहीं माना जाता है।

पितृ पक्ष में महिलाओं को जरूर करना चाहिए इन चीजों का दान

ऐसी मान्यता है कि पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष को उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। पूर्णिमा पर देहांत होने से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को श्राद्ध करने का विधान है। श्राद्ध प्राचीन भारतीय संस्कृति का अंग है। श्राद्ध यानी श्राद्ध से किया गया कार्य। पितरों के लिए श्राद्ध से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं तथा तृण करने को क्रिया और देवताओं, ऋषियों या पितरों को तंडुल या तिल मिश्रित जल अर्पित करने को क्रिया को तर्पण कहते हैं। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। राजा दशरथ के निधन का समाचार मिलने पर भगवान राम ने वनवास में रहते हुए भी पिता का श्राद्ध किया था। श्राद्ध के सोहले दिनों में लोग अपने पितरों को जल देते हैं तथा अपनी मृत्युतिथि पर श्राद्ध करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष को उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। पूर्णिमा पर देहांत होने से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को श्राद्ध करने का विधान है। इसी दिन से महालय (श्राद्ध) का प्रारंभ भी माना जाता है। श्राद्ध का अर्थ है श्राद्ध से जो कुछ दिया जाए। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण वर्षभर तक प्रसन्न रहते हैं। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पितरों का पिण्ड दान करने वाला गृहस्थ

दीर्घायु, पुत्र-पौत्रादि, यश, स्वर्ग, पुष्टि, यत्न, लक्ष्मी, परशु, सुख-सामन तथा धन-धान्य आदि को प्राप्ति करता है। पितृ पक्ष 2023 : दान की 5 महत्त्वपूर्ण वस्तुएं

पितृ पक्ष में पितरों को तृण करने के लिए घर की महिलाओं को 5 वस्तुओं केला, दही, सफेद वंश को धन्य करते हैं। दही : पितरों की तृण के लिए आप दही का प्राप्ति करती हैं। पितृ पक्ष में दूध से ज्यादा दही का महत्व होता है। दही कच्चा होता है, जबकि दही को दूध से बनाते हैं और वह जमा हुआ होता है। पितरों को दही पिय है। दही स्थिर और जमा होता है। पितरों को इसलिए दही दान करते हैं ताकि हमारे जीवन में स्थिरता आए। सफेद मिठाई : पितृ पक्ष में सफेद मिठाई का दान पाकर पितर खुश हो जाते हैं। प्रेत मंजरी में लिखा है कि मृत्यु के बाद व्यक्ति प्रेत पाप में होता है और वह अंधकार में रहता है। इस भाव में वे अपने वंश को प्रताड़ित या परेशान न करें, इसलिए उनके लिए सफेद मिठाई का दान करते हैं। पितरों को सफेद वस्तुएं दान करती हैं। श्वेत रंग सकारात्मकता का प्रतीक है, जिसे वे पाकर प्रसन्न होते हैं। लगा हुआ पान : पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए पितृ पक्ष में उनको लगा हुआ पान दान करना चाहिए। लगा हुआ पान का मतलब पान के बीड़े से है। आप लगा हुआ पान दान करती हैं तो आपका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाएगा। दक्षिणा : दक्षिणा के बिना कोई भी दान फलित नहीं होता है, यह ज्योतिष शास्त्रों में कहा है। दक्षिणा का अर्थ धन या पैसे से नहीं है। दक्षिणा में आप अपने पितरों के लिए कोई पात्र या निवर्तन जैसे कटोरा, लोटा, थाली आदि दान कर सकते हैं।

पान दान करना चाहिए। लगा हुआ पान का मतलब पान के बीड़े से है। आप लगा हुआ पान दान करती हैं तो आपका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाएगा। दक्षिणा : दक्षिणा के बिना कोई भी दान फलित नहीं होता है, यह ज्योतिष शास्त्रों में कहा है। दक्षिणा का अर्थ धन या पैसे से नहीं है। दक्षिणा में आप अपने पितरों के लिए कोई पात्र या निवर्तन जैसे कटोरा, लोटा, थाली आदि दान कर सकते हैं।



पान दान करना चाहिए। लगा हुआ पान का मतलब पान के बीड़े से है। आप लगा हुआ पान दान करती हैं तो आपका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो जाएगा। दक्षिणा : दक्षिणा के बिना कोई भी दान फलित नहीं होता है, यह ज्योतिष शास्त्रों में कहा है। दक्षिणा का अर्थ धन या पैसे से नहीं है। दक्षिणा में आप अपने पितरों के लिए कोई पात्र या निवर्तन जैसे कटोरा, लोटा, थाली आदि दान कर सकते हैं।

राशि कु नवाताल- 6837. राशि कु नवाताल- 6836 का हल. राशि कु नवाताल- 6837. राशि कु नवाताल- 6836 का हल. राशि कु नवाताल- 6837. राशि कु नवाताल- 6836 का हल.

दैनिक पंताम. 29 सितम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की राशि स्थिति. 29 सितम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की राशि स्थिति.

शब्द पहेली - 7899. वाएँ से दाएँ. ऊपर से नीचे. 1. कथा, गाथा-3. 2. प्रभात-3. 3. पण्डित-3. 4. वायदा, क्रम-2. 5. अणु, अणु-3. 6. चिंतन, सोच-विचार-3. 7. तारा का एक खेल-2. 8. संभव की पहली फिल्म-2. 9. चेरा, शकल-3. 10. चाकू, खंजर-3. 11. अस्साम, चायका देना-4. 12. लक्ष्मी, भी हवा-2. 13. ईश्वर, भावान-2. 14. विद्या, गमन-3. 15. लेखनी, पेन-3. 1. हुन, फन-2. 2. साति, वीराना-3. 3. चिलम, ओट, धूपेट-3. 4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2. 5. मानव, मुत्रा-3. 6. आंगन, बरामदा-3. 7. भागमा (आंगो-2). 8. चटपटा, शरीर-4. 9. कांस्य, क्रीडा-4. 10. अण्डे सुर का ज्ञाता-3. 11. मालिक, स्वामी-2. 12. प्रेम प्रतिद्वंद्वी (उर्दू-3). 13. वेदवध कर्मा-3. 14. फिजूल, व्यर्थ-2. 24. गाथा, गर्दन-2. 25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2.

आज का राशिफल. मेष राशि : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। वृष राशि : आत्मविश्वास बढ़ेगा। मिथुन राशि : विरोधी उकसाए पड़ेंगे। कर्क राशि : घर-परिवार में सुख-समृद्धि। सिंह राशि : स्वास्थ्य में सुधार। कन्या राशि : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। तुला राशि : शांति का त्यौहार। धनु राशि : धार्मिक कार्यों में समय देने का अवसर। मकर राशि : सपना साकार होगा।

गागर में सागर

सरला बिरला पब्लिक स्कूल की छात्रा का प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन



रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची की छात्रा कक्षा-9 की खुशी कुमारी ने 27 सितंबर, 2023 को आइडल हाउस में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन निदेशालय, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

ईद मिलादुन्नी पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस का सत्र

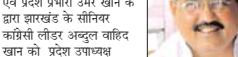
कोरबा में लगाया स्वागत शिविर



रांची। पॉपुलर मोहम्मद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार 28 सितंबर को झारखंड प्रदेश कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष हानी बेगल कुरैशी द्वारा ईद मिलादुन्नी का जुलूस का मध्य स्वागत किया गया। जुलूस में चल रहे लोगों को खजूर, पानी, चना, शर्बत, फल दिया गया। साथ ही जुलूस का नेतृत्व करने वाली को पूजा माला, हरा पगड़ी धार्मिक समारोह किया गया।

अब्दुल वाहिद खान बनाए गए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष

कोरबा में लगाया स्वागत शिविर



रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी अंसारी एवं प्रदेश प्रभारी उस्ताद खान के द्वारा झारखंड के सीनियर कांग्रेसी वीर अहमद वाहिद खान को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनित किया गया है। इस मौके पर झारखंड सहित बोकारो जिला के कई लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

भारत विविधताओं से भरी संस्कृतियों, परंपराओं व देशभूषा का भरा एक गुलदस्ता है : विनय पत्राले



नवीन मेल संवाददाता। रांची राष्ट्रीय एकता के लिए कार्यरत संस्था भारत भारतीय की बैठक प्रेस क्लब समारोह में हुई विभिन्न उल्लेखनीय विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधियों और भाषा-भाषी लोगों ने देश की सांस्कृतिक एकता और समृद्धि के लिए मिलजुल कर प्रयास करने का संकल्प लिया।



राष्ट्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ संपन्न रायचंद सिंह, कवि के पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम, माधेश्वरी सभा के अध्यक्ष किशन सावु, सचिव संदेश लखौनिया, मैथिली मंच के संस्थापक अरुण झा, अध्यक्ष विनय कुमार झा, झारखंड खोजी महाभाषा के अध्यक्ष किशोर खत्री, झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष नुरविंदर सिंह सेठी, गुरु मानक होम ग्रुप हेड ऑफिस चिल्ड्रन के रणजीत सिंह मिश्र, हरियाणा संघ के अध्यक्ष अरुण शर्मा, जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय (झारखंड-झारखण्ड) संयोजक संदीप उरांव, नागपुरी कला संगम के अध्यक्ष गोविंद नारायण तिवारी, जौनी जिला मुख्यालय संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव, मेधा उरांव, झारखंड ग्रामीण बैंक के निदेशक प्रदीप मिश्र, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप मिश्रा, वीएचपी के प्रदेश कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित विभिन्न प्रांतों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 10 लोग उपस्थित थे।

एचडसी की बदहाली के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार : राजद



नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड प्रदेश राणवीर जतात दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि एचडसी की बदहाली के लिए पूरी तरह केंद्र सरकार जिम्मेदार है। जब से देश में भाजपा की सरकार बनी है तब से केंद्र सरकार के गलत नीतियों और संतौला व्यवहार के कारण एचडसी का हाल बेहाल है और उसमें कार्य कर रहे कर्मियों का भी हाल बेहाल है और केंद्र सरकार कुर्बानियों के लिए एचडसी को बर्बाद कर रही है। डॉ. कुमार ने कहा कि एचडसी देश की बड़ी धरोहर है इसे बचाना

ईद मिलादुन्नी पर शहर में निकाला भव्य जुलूस



नवीन मेल संवाददाता। रांची ईद मिलादुन्नी पर रांची के ग्रामीण सहित शहरी क्षेत्र के विभिन्न मुस्लिमों से जुलूस का नेतृत्व डॉ. हामिद खान के साथ निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व उस्ताद अली ने की। जुलूस का संयोजन एदार ए शरीया के मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, सौदी बरेलवी सेन्ट्रल कमेटी के अध्यक्ष शहीद कुरैशी, नातुब्दीन रिजवी, महासचिव अकीरुद्दीन पटेल प्रवक्ता मो. इमरान ने संयुक्त रूप से किया। जुलूस-ए-मोहम्मदी कांडा टोली कुरैशी

रांची में खानकाह मजहरिया मुनअभिया में किया गया मिलाद शरीफ का एहतेमाम

रांची। झारखंड में ईद मिलाद उन नबी के मौके पर रांची के डोंडाड फरिदपुरी नगर स्थित खानकाह मजहरिया मुनअभिया में मिलाद शरीफ का एहतेमाम सज्जाद नबी हजरत सैयद साद मौलाना अल्फ्ता शिवली कादरी ने आयोजित किया। मिलाद शरीफ का शुरूआत हुजूरु पाक पर करसत से दूधले पाक पक कर की गई। उसके बाद मिलाद ए मुहल्ला का एहतेमाम किया गया। मौके पर सज्जाद नबी हजरत मौलाना सैयद शाह अरकमा शिवली ने मिलाद शरीफ में आए लोगों को हुजूरु पाक की तुनिजा में आम्र और उनके वातार वार्ता को जैसे इसान

राज्यपाल ने ईद मिलादुन्नी की दी मुबारकबादी

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने ईद मिलादुन्नी के पवन अवसर पर सभी मुस्लिम भाइयों और बहनों को मुबारकबाद दी है। राज्यपाल ने गुरुवार को टाइट कर कहा कि आज पैगम्बर मोहम्मद (स.) के जन्मदिन पर हम सब मजदुल और मुब्तवा के साथ अपने व्यवहार और आचरण को संकल्प के लिए कार्य करने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री ने लोगों को ईद मिलादुन्नी की दी बधाई

मुख्यमंत्री इमर सोबन ने प्रदेशवासियों को ईद-मिलादुन्नी की मुबारकबाद दी है। पेन्मन्थ सहित के जन्मदिन मिलादुन्नी के पवित्र मौके पर उन्होंने ईद-दुर्गम ने आम्र और लोहा की खुशहाली को कामना की है। उन्होंने कहा कि पैगम्बर मोहम्मद सहित का सद्गुण, ईश्वरियत और पवित्रता का पैगम्बर मुहम्मद को हमेशा धरणा देते रहें। आभारी स्वयं रहें, खुश रहें, खुशहाल रहें, पूरी दुआ करता हूँ।

चंदनकियारी की संकल्प सभा में भाजपा की सरकार बनाने का किया आह्वान

राज्य में गरीब भूखे मरने को मजबूर : अमृत झा



नवीन मेल संवाददाता। रांची/ बोकारो संकल्प सभा के उद्देश्य चरण के दौरान गुरुवार को चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र का मासुला भी ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि मासुले में जांच करते हुए एमपी बीडीओ के खिलाफ कार्यवाही आवश्यक है। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गांव-गांव किसानों के प्रति समर्थित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब घर से आते हैं। इसलिए वे गरीबों की चिंता करते हैं। प्रधानमंत्री बनते ही शीघ्रता से जनसभा एक-एक गरीब व्यक्ति को बैंकों से जोड़ देंगे।

पूछ के शेष

दलित क्रांति के जनक एमएस... ख्यातन उपपादयन ने उल्लेखनीय बहोतराई हुई थी। स्वामीनाथन को 1987 में प्रथम विश्व खाद्य सुरक्षाकर्ता से सम्मानित किया गया था। उन्होंने पुरस्कार राजी का उद्योग चर्चा में एमएस स्वामीनाथन रिचर्च फाउंडेशन को स्थापना के लिए किया। यह फाउंडेशन रिचर्च और समावेशी कृषि के क्षेत्र में काम कर रहा है। उनके नाम पर गठित हुआ था आयोग : स्वामीनाथन आयोग का गठन 18 नवंबर, 2004 को किया गया था। दरअसल, इस आयोग का नाम राष्ट्रीय आयोग था, जिसके अध्यक्ष एमएस स्वामीनाथन थे। उन्होंने के नाम पर इस आयोग का नाम स्वामीनाथन आयोग पड़ा। इस आयोग ने चर्चे के दौरान सूरक्षा बलों को सुधारने की मांग की थी। स्वामीनाथन को मिले कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार : स्वामीनाथन को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें पद्मश्री (1967), पद्मभूषण (1972), पद्मविभूषण (1989), विश्व खाद्य सुरक्षाकर्ता (1987) के साथ 1971 में रमन मेमोरे पुरस्कार और 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार महत्वपूर्ण हैं। स्वामीनाथन ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कृषि और पंचांग पर पद में योगदान दिया था। टाटम पत्रिका द्वारा उन्हें 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई लोगों में से एक नामित किया गया था। स्वामीनाथन के परिवार में उनकी पत्नी मीना और तीन बेटियां सोम्या, मधुरा और निरला हैं।

राष्ट्र के लिए लगाए पूर्व से लगाए गये लोग आइडिडी में विरोध किया गया। इसकी चर्चे में आने से एक इंसैबर समेत चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गये, जिसमें से एक जवान शहीद हो गए। पुलिस के मुताबिक ग्रामीण उपचार के बाद घायलों की बेहतर इलाज के लिए हेलिकॉप्टर से चर्ची भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि इस घटना से पहले ऑपरेशन के दौरान सूरक्षा बलों ने बुधवारवा गांव के पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में दो आइडिडी और रास्ते में गड्ढा कर लोहे के रॉड से बने 31 स्पाइक होल्स और तीर से बने 250 स्पाइक को बरामद कर लिया था। उसी दौरान विस्फोटकों को डिफ्यूज भी कर दिया गया था। लेकिन दोपहर 12 से 12.15 के बीच निरसियों ने तीन आइडिडी ब्लास्ट कर दिया, जिसकी वजह से सूरक्षा बलों को डरकरना पड़ा है। पुलिस का और से बताया गया है कि इस घटना के बाद इलाकों में और मुस्लिमों के साथ ऑपरेशन को जारी रखा गया है। खास बात है कि इसी टोटी धावाक्षेत्र में पिछले आठ महीने में नरसलियों ने सात लश्कर हत्या करवाया था। उस हमले में एक बह इंसैबर और झारखंड जगुआर एक एच जवान शहीद हो गया था।

शहीद झारखंड के 100 गांव में अमृत कलश यात्रा अभियान आज से अमृत वाटिका पर देश के शहीदों का नाम नामांकित होगा

नवीन मेल संवाददाता। रांची पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता एवं सांस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को देश प्रेम क्लब में एक प्रेस मंच वार्ता मेरा मां मेरा देश अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा की गई। प्रेस मंच वार्ता को संबोधित करते हुए कार्यक्रम समिति सदस्य (झारखंड) पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता एवं सांस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में झारखंड के 100 प्रखंडों के 100 गांवों में अमृत कलश यात्रा अभियान चलाया जाएगा। जिसमें मां वरु से प्रखंड स्तर से मिट्टी एकत्रित करे रायचंद स्तर से मिट्टी एकत्रित की जाएगी, जो दिल्ली के कानून पथ पर चले रहे



अमृत वाटिका को विकसित करने के लिए भेजा जाएगा। इस अमृत वाटिका पर देश के शहीदों का नाम नामांकित होगा। इस कार्यक्रम को करने के पीछे उद्देश्य यह है कि देश के 100 प्रखंडों के 100 गांवों में अमृत कलश यात्रा अभियान चलाया जाएगा। जिसमें मां वरु से प्रखंड स्तर से मिट्टी एकत्रित करे रायचंद स्तर से मिट्टी एकत्रित की जाएगी, जो दिल्ली के कानून पथ पर चले रहे

और देशभक्ति गीतों के साथ लोगों को इस अभियान में शामिल होना के लिए आह्वान करती और वरु पर अमृत कलश यात्रा में मिट्टी लेने का काम में सहयोग करेंगे। कल दिनांक 29 सितंबर 2023 से 31 अमृत कलश यात्रा आइडि हाउस से प्रारंभ होगी। एक अमृत कलश यात्रा यथा बनाया गया है जिसे कलश, संस्कृति के द्वारा ही इंडी दिखाने रचना को जगती है यह झारखंड के 100 गांव में घूम कर मिट्टी एकत्र करने का कार्य करेगी। इस अमृत कलश यात्रा में लोक कलाकार होने जो सांस्कृतिक कार्यक्रमों में माध्यम से देशभक्ति गीतों के माध्यम से पूरे राज्य में अमृत कलश यात्रा अभियान और मेरा देश मेरा देश के बारे में लोगों को सातवाणी में भी मां मेरा देश का कार्यक्रम के तहत झारखंड के 100 गांव में अमृत कलश यात्रा चलाई जाएगी।

दो आइडिडी वम व 31 स्पाइक होल बरामद : आइडिडी वम विरोध के बाद सूरक्षा बलों ने नरसल जंगल जंगल इलाकों में अभियान चलाया। सूरक्षा बलों ने जंगल से दो आइडिडी वम बरामद किए हैं। 31 स्पाइक होल बरामद किए गए हैं। 250 स्पाइक भी पुलिस को मिले हैं। नरसल आयोग में वे टी और श्री शामिल : नरसलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चांडीबा पुलिस शामिल थी। इसके अलावा झारखंड जगुआर और कोरा 209 BN के जवान शामिल हैं। सीआरपीएफ 197 BN एवं 174 BN के अलावा वम विरोधक दस्ता सीआरपीएफ 197 इड की टी शामिल थी। सैकुलरिज्म ने बढ़ावा... अपने संबोधन में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस दौरान रांची जिला पर्यटन के नाडल अधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह और एनोले इंडियन सैकुलरिज्म और से एलेन गौस मीरुद थे। विभागीय अधिकारियों ने उम्मीद जताया कि इस पुरस्कार से नरसलियों में पतवर्ती को बढ़ावा मिलेगा। विधायक कमलेश्वर ने बोलना... उन्होंने उनके खिलाफ संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत दलदलद के मामले में कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में संविधायक कमलेश्वर मथुरी ने विधायक कमलेश्वर को लिखित रूप में 27 सितंबर को अलावा एक रिहाने को कहा था। इस पर जवाब देते हुए कमलेश्वर लिखित कहा है कि अजीत वरु मृत में हैं, क्योंकि वही अलाहा एसीपीपी है। अरुण, अजीत वरु मृत की ओर से भी संविधायक को अलग कराया गया आयोग के सदस्य थे, तो पहली बार मृत की ओर से एक अध्यक्ष शामिल किया था। अजीत वरु मृत के सदस्य के लिखित रूप में कहा है कि उनके खिलाफ दलदलद का मामला नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि फिलहाल एसीपीपी से संबंधित मामला चुनाव आयोग में चल रहा है।

गानार में पारल

नंबर-1 बल्लेबाज बनने से चूके

शुभमन गिल दुबई। आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज बाबर आजम को बड़ा लगातार कम हो रही है।



10 अंक का मामूली अंतर है। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया।

आईसीसी की रैंकिंग के अनुसार, गिल के अब कुल 847 रैंकिंग अंक हैं और वह 5 अक्टूबर को विश्व कप की शुरुआत से पहले बाबर से सिर्फ 10 रैंकिंग अंक पीछे हैं।

सीरी ए में इंटर मिलान की पहली हार सी। इंटर मिलान का सीरी ए में शानदार रिकॉर्ड टूट चुका है, क्योंकि उन्हें समुच्चाल के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान के युवा खिलाड़ी नवीन उल हक ने विश्व कप-2023 के बाद वनडे फॉर्मिटे से संन्यास लेने की घोषणा की है।

अफगानिस्तान के युवा खिलाड़ी नवीन उल हक वर्ल्ड कप के बाद लगे संन्यास

अफगानिस्तान के 24 वर्षीय युवा खिलाड़ी नवीन उल हक ने विश्व कप-2023 के बाद वनडे फॉर्मिटे से संन्यास लेने की घोषणा की है।

हैदराबाद स्टेडियम में अभ्यास करती हुई नजर आई पाकिस्तानी टीम

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप अभ्यास मैच से पहले शुक्रवार को रोजीन गोपी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में अभ्यास सत्र में भाग लिया।

शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप अभ्यास मैच से पहले शुक्रवार को रोजीन गोपी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में अभ्यास सत्र में भाग लिया।

रगनीन

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की तैयारी पर संतोष व्यक्त किया।

10 मीटर एयर पिस्टल में पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण



भारतीय तिरण्डी सर्वजोत सिंह, अर्जुन सिंह चौमा और शिवा नरवान ने पुरुष टीम को एशियाई खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल टीम शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता।

अनुश अग्रवाल ने घुड़सवारी में पहला व्यक्तिगत पदक जीता



भारत के अनुश अग्रवाल ने बुधवार को एशियाई खेलों में घुड़सवारी स्पर्धा में एक और पदक जीता।

अदिति अशोक पहले राउंड के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर, टीम स्पर्धा में भारत पांचवें स्थान पर



भारत की अदिति अशोक को शुरुआत में अपने पदर के साथ संघर्ष करना पड़ा, लेकिन वह शुक्रवार को एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत गेल्फ प्रतिस्पर्धा में वापसी करने और पहले दौर में संयुक्त दूसरे (टी2) स्थान पर रहने में सफल रही।

महिला बैडमिंटन में भारत ने मंगोलिया को हराया



प्रतिद्वंद्वी ने अपना पहला अंक जीता। दूसरे मैच में, मंगोलियाई ने स्कोर 2-1 कर दिया, इससे पहले सिंगु ने अमल अर अर अंक जीतकर 10-1 की बढ़त बना ली और मैच 21-3 से समाप्त कर दिया।

